

Speed post /त्रिव डाक

भारत सरकार
खानमंत्रालय
भारतीय खान ब्यूरो
क्षेत्रीय खाननियंत्रायक का कार्यालय
माखूपुरा औद्योगिक क्षेत्र, अजमेर
ई-मेल: ro.ajmer@ibm.gov.in

**Show-cause Notice/कारण बताओ नोटिस**

Government of India
Ministry of Mines
Indian Bureau of Mines
Office of the Regional Controller of
Mines. Makhupura Industrial Area,
Ajmer- 305002
Ph-145-2695165/2695476 Fax-
2695202



संख्या: 4235/MCDR-MiFLOPbZn/4/2023-AJM-IBM_RO_AJM

दिनांक: /01/2024

प्रेषित: खान एजेंट,

अगूचा सीसा-जस्ता खान,

मेसर्स हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड,

तहसिल: हुरडा, जिला: भीलवाड़ा

राजस्थान: 311029

(e-mail: sachin.deshmukh@vedanta.co.in , basant.mahanta@vedanta.co.in)

विषय: राजस्थान राज्य के भीलवाड़ा जिले में स्थित आपकी अगूचा सीसा-जस्ता खान मे खनिज संरक्षण एवं विकास नियमावली, 2017 के उल्लंघन के संदर्भ में।

महोदय,

On examination of annual return submitted in form G-2 for the year 2023-24 following provision of Mineral Conservation and Development Rules, 2017 (hereinafter referred as MCDR, 2017) were found violated in your above said mine.

Rule	Status and extent of violation
45(7)	<p>On examination of the Annual return for the year 2023-24 following discrepancy have been observed:</p> <p>(1) Uploaded document: As per uploaded PMCP report an area of 155 hectare is mentioned as rehabilitated. However, as per Modification of Review of Mining plan dated 20/05/2024 (para 6.1), an area of 94.0 hectare has been furnished as rehabilitated.</p> <p>(2) Part-I, Section 12: An area of 155 hectare is mentioned as Reclaimed- rehabilitated. However, as per Modification of Review of Mining plan dated 20/05/2024 (para 6.1), an area of 94.0 hectare has been furnished as rehabilitated.</p> <p>(3) Part V, section 2: Depletion of the reserve has been furnished as 12.547 million tons against the ROM production of the 4.930 million tons.</p> <p>(4) Part V, section 4: It is informed during the inspection that waste generated during the year has been utilized for rising of tailing dam height. Then how same has been added under the heading “total at the end of the year”.</p> <p>(5) Part VII, Cost of production:</p> <p>(i) The cost of production of ore-mineral produced is furnished as Rs. 9635.28 per tons, however, as per figures of expenses figures furnished under various heads of annual return the cost of ore-mineral production per unit comes to 12234.20 per tons.</p> <p>(ii) The figure of tax collected as source (TCS) has been furnished under section 5 of the part-III, however, same has been consider as ‘0’ under section viii for calculation of cost of production.</p> <p>(iii) The figure of production in second table of part-VII under heading “Production reported during the financial year 2023-2024” is not furnished.</p>

02. इस संदर्भ में आपका ध्यान आकर्षित किया जाता है कि उपरोक्त नियम का उल्लंघन खनिज संरक्षण एवं विकास नियमावली, 2017 के नियम 62 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है एवं उपरोक्त नियम के उल्लंघन की अनुपालन नहीं होने पर खनिज संरक्षण एवं विकास नियमावली, 2017 के अंतर्गत:
- (क) आपकी खान कि सारी संक्रियाएं बंद की जा सकती है।
- (ख) आपके विरुद्ध अभियोग दायर किया जा सकता है।
- (ग) राज्य सरकार को खनन पट्टे कि समाप्ति की सिफारिश जा सकती है।
03. इस संबंध में आपका ध्यान आकर्षित किया जाता है कि नियम 45(7) के उल्लंघन के लिए खनिज संरक्षण एवं विकास (संशोधन) नियम 2021 कि अनुसूची -2 के प्रावधान लागू होंगे।
04. अतः आपको सलाह दी जाती है कि आप परोक्त नियम के उल्लंघन का अतिशीघ्र सुधार करें एवं सुधार की स्थिति कि सूचना इस पत्र के जारी होने कि दिनांक से 30 (तीस) दिनों दिनों के भीतर इस कार्यालय को सूचित करे।
05. कृपया ध्यान रखें के भविष्य में आपको इस संदर्भ मे कोई सूचना अथवा अतिरिक्त समय नहीं दीया जाएगा।

भवदीय

(दिलीप जैन)

वारिष्ठ खनन वैज्ञानिक
भारतीय खान ब्यूरो, अजमेर

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित:

1. खान नियंत्रक (उत्तर) भारतीय खान ब्यूरो, उदयपुर। (email द्वारा)
2. निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान सरकार, उदयपुर।
3. खनि अभियंता, खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान सरकार, भीलवाड़ा।
4. रक्षित पत्रवली।

वारिष्ठ खनन वैज्ञानिक
भारतीय खान ब्यूरो, अजमेर